नवजात तथा जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखरेख

नवजात की देखरेख

- नवजात शिशु नाजुक होता है तथा उसे समुचित देखरेख की जरूरत होती है।
- शिशु को:
  - जन्म के तुरंत बाद अच्छी तरह पोंछ कर साफ कपड़े में लपेटना चाहिए। उसे मुलायम नर्म कपड़े से साफ करके मुलायम सूखे कपड़े से पोंछना चाहिए।
  - मौसम के अनुसार समुचित रूप से ढककर गरम रखना चाहिए।
  - सिर और पांव को ढककर रखना चाहिए।
  - मां के सीने और पेट के करीब रखना चाहिए।
  - पहले 24 घंटों में कम से कम एक बार मल त्याग करना और पहले 48 घंटों में कम से कम एक बार पेशाब करना चाहिए।

- सामान्य नवजात को पहले 24–48 घंटों तक और जन्म के समय कम वजन वाले नवजात शिशुओं को पहले सात दिनों तक नहलाना नहीं चाहिए।
- हर बार दूध पिलाने के बाद डकार दिलानी चाहिए।
- कार्ड स्टम्प को साफ एवं सूखा रखना चाहिए। कार्ड स्टम्प पर प्रेस्क्राइब्ड दवाओं को छोड़कर कुछ भी न लगाएं।
- शिशु को ऐसे लोगों से दूर रखें जो बीमार हैं और सुनिश्चित करें कि शिशु को केवल कुछ लोग ही संभालें।

नवजात की देखरेख के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा होम विजिट की अनुसूची

- इन होम विजिटों का प्रयोजन यह सुनिश्चित करना है कि नवजात को गरम रखा जा रहा है और केवल स्तनपान कराया जा रहा है।
- यदि शिशु का जन्म घर पर हुआ है तो नवजात को जन्म के तुरंत बाद अथवा पहले 24 घंटों के अंदर तथा दूसरे दिन विजिट की जरूरत होती है।
- यदि शिशु का जन्म स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में हुआ है तो आपको तीसरे, सातवें और 42 वें दिन शिशु को विजिट करना है।
- यदि शिशु का जन्म घर पर हुआ है, तो आपको पहले, तीसरे, सातवें और 42 वें दिन शिशु को अस्पताल विजिट करना है।
- ऐसे नवजात शिशुओं के लिए अतिरिक्त विजिट की जरूरत होती है जिनका जन्म के समय वजन कम होता है, समय से पहले जन्म हो जाता है और बीमार हैं।
- जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं को चौदहवें, इक्कीसवें और अठाइसवें दिन भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा विजिट किया जाना चाहिए।

जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखरेख

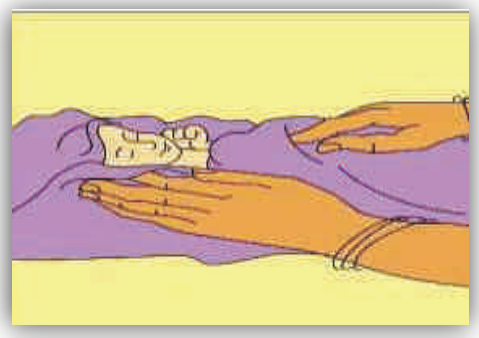

जन्म के समय ढाई किलो से कम वजन वाले शिशुओं को निम्नानुसार अतिरिक्त देखरेख की जरूरत होती है:

- अतिरिक्त गर्माहट प्रदान करें और शिशु को गरम तथा मां के साथ घनिष्ठ त्वचा दर त्वचा संपर्क में रखना चाहिए (कंगारू देखरेख)।
- परिवार को चाहिए कि वह निम्नलिखित को सुनिश्चित करे :
  - शिशु पतली चादरों एवं कंबलों में अच्छी तरह लिपटा है
  - सिर ढका है ताकि ऊष्मा की क्षति न हो
  - शिशु को मां के सीने एवं पेट के बहुत करीब रखा जाए
  - जब शिशु को मां के शरीर के बहुत करीब न रखा जा रहा हो, तो कपड़े में लिपटी गुनगुने पानी से भरी बोतलों को शिशु के कंबल के दोनों ओर रखा जा सकता है।
  - शिशु को अधिक बार स्तनपान कराया जाना चाहिए।
- जन्म के समय कम वजन वाले शिशु को पहले सात दिनों तक न नहलाएं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की भूमिका

- ❖ प्रसव के बाद तुरंत स्तनपान कराना शुरू करने और 6 माह तक केवल स्तनपान कराने के लिए मां को प्रोत्साहित करें और परामर्श दें।
- ❖ हानिकर प्रथाओं को हतोत्साहित करें जैसे कि बोतल से दूध पिलाना, जल्दी नहलाना, मुंह से अन्य पदार्थ देना।
- ❖ नवजात की देखरेख के लिए सुझाव के अनुसार होम विजिट करें।
- ❖ बच्चे के पैदा होते ही मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड में समय एवं वजन नोट करें।
- ❖ प्रत्येक विजिट के दौरान बच्चे के वजन का उल्लेख करना चाहिए तथा वृद्धि चार्ट में दर्ज करना चाहिए। यदि सामान्य से कोई अंतर हो, तो उसे नोट करना चाहिए तथा प्रोटोकाल के अनुसार उस पर कार्रवाई करनी चाहिए।
- ❖ नवजात में रोगाणुता या अन्य बीमारियों के शुरूआती लक्षणों की पहचान करें और तुरंत अस्पताल के लिए रेफर करें।
- ❖ कमजोर तथा जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं की देखभाल करने में मदद करें
  - बार–बार विजिट – दिन में दो बार जब तक कि फीडिंग अच्छी तरह स्थापित न हो जाए।
  - त्वचा दर त्वचा देखरेख सहित स्वच्छता, फीडिंग, गर्माहट पर अधिक प्रयास
  - आवश्यकता के अनुसार मां का दूध स्तनों को दबा कर निकालना